# समाज कार्य में स्नातक उपाधि

## (बीएसडब्ल्यू–तृतीय वर्ष)

## सत्रीय कार्य : 2024–2025

**पाठ्यक्रम शीर्षक**

**बीएसडब्ल्यूई-003 : समुदाओं और संस्थानों के साथ समाज कार्य अंतःक्षेप**

**बीएसडब्ल्यूई-005 : एचआईवी/एड्स का परिचय**

**बीएसडब्ल्यूई-006 : मादक द्रव्य दुरुपयोग और परामर्श**

| |
|---|
| अध्ययन केंद्र में सत्रीय कार्य जमा कराने की अन्तिम तारीखः<br>जुलाई, 2024 सत्र–मार्च 31,2025<br>जनवरी, 2025 सत्र–सितम्बर 30,2025 |

इग्नू
जन-जन का
विश्वविद्यालय

समाज कार्य विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110 068

प्रिय शिक्षार्थी,

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के बीएसडब्ल्यू कार्यक्रम में आपका स्वागत है। आपने समाज कार्य में स्नातक होने के लिए यह कार्यक्रम एक उद्देश्य के साथ चुना है ताकि आप हमारी मानवजाति की सामाजिक दशाएं सुधारने के लिए अपनी योग्यता प्रमाणित कर सकें। बीएसडब्ल्यू कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए, कृपया निम्नलिखित बातों का पालन करें:

- अपना अध्ययन आरंभ करने से पहले कार्यक्रम दर्शिका को पढ़िए। इससे इग्नू के बी.एस.डब्ल्यू. अध्ययन करने के बारे में आपके अधिकतर संदेह दूर हो जाएंगे।
- आप अपने सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र में समय पर जमा कराएं।
- अपने अध्ययन केंद्र और क्षेत्रीय केंद्र के संपर्क में रहें।
- परीक्षा फार्म समय पर भरें।

बीएसडब्ल्यू तृतीय वर्ष के लिए आपको बीएसडब्ल्यूई 003,बीएसडब्ल्यूई 005, बीएसडब्ल्यूई 006 और अन्य आधार पाठ्यक्रम के लिए प्रत्येक का एक–एक अध्यापक जांच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना होगा।

सत्रीय कार्य एक खुली किताब है और हम इग्नू में प्रत्येक पाठ्यक्रम के समग्र ग्रेड की गणना करते समय सत्रीय कार्यों के लिए 30%भारित देते हैं। **सत्रीय कार्य हस्तलिखित और स्वहस्ताक्षरित होने चाहिए**। सत्रीय कार्य–प्रतिक्रिया का एक अच्छा सेट तैयार करने के लिए आप उन सभी अध्यायों को पढ़े जिनमें से सवाल तैयार किए गए हैं। आप अपने सहकर्मी शैक्षिक परामर्शदाताओं और प्रोफेसरों के साथ चर्चा करे जिन्होंने आपको पढ़ाया है। मसौदा तैयार करे, उस पर आवश्यक सुधार करे और तब अंतिम संस्करण अध्ययन केंद्र में प्रस्तुत करने के लिए तैयार करें।

हर सवाल का जवाब देने के लिए नया पृष्ठ शुरू करें। लंबे और मध्यम जवाब देने के लिए यह सुनिश्चित करें कि इसमें एक परिचय है, मुख्य भाग के लिए एक उप–शीर्षक और एक निष्कर्ष हो। प्रत्येक अनुच्छेद के बीच एक लाईन छोड़े। आपके जवाब विशिष्ट हों और आपके अपने शब्दों में हो यह किताब की नकल ना हो। आपके उत्तर इग्नू के पठन सामग्री पर आधारित हों। सत्रीय कार्य आपके सत्रांत परीक्षा की तैयारी है, इसलिए इसे गंभीरतापूर्वक लें।

**(डॉ.सायन्तनी गुइन)**
कार्यक्रम संयोजक
email:sayantaniguin@ignou.ac.in
Ph: 011–29571697

# समुदाओं और संस्थानों के साथ समाज कार्य अंतःक्षेप
## सत्रीय कार्य

**पाठ्यक्रम कोड : बीएसडब्ल्यूई– 003**
**कुल अंक–100**

**नोट :** i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **500** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) सामुदायिक संगठन को परिभाषित करें। सामुदायिक संगठन में सामुदायिक कार्य की प्रासंगिकता की जाँच करें। 20

अथवा

सामुदायिक संगठन में शामिल चरणों को उदाहरणों सहित समझाएँ। 20

2) सामाजिक क्रिया की अवधारणा, रणनीतियों और युक्तियों का वर्णन करें। 20

अथवा

सामाजिक कार्य की एक पद्धति के रूप में समाज कल्याण प्रशासन की व्याख्या करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **250** शब्दों में) दीजिएः

क) सामुदायिक संगठन के विभिन्न मॉडलों की व्याख्या करें। 10

ख) समाज कल्याण प्रशासन की प्रकृति और दायरे का वर्णन करें। 10

ग) किसी भी लोकप्रिय सामाजिक क्रिया मॉडल को स्पष्ट करें। 10

घ) भारत में महिलाओं की स्थिति की व्याख्या करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **150** शब्दों में) दीजिएः

क) सामुदायिक संगठन के सिद्धांतों को सूचीबद्ध करें। 5

ख) सामुदायिक आयोजक की भूमिकाओं पर प्रकाश डालें। 5

ग) गैर–सरकारी संगठन क्या हैं? 5

घ) सामाजिक कल्याण संगठनों के पंजीकरण और प्रबंधन की प्रक्रिया का वर्णन करें। 5

ङ) अनुसंधान और सामाजिक कार्य अनुसंधान शब्दों को परिभाषित करें। 5

च) भारत में स्वदेशी स्वास्थ्य प्रणाली की व्याख्या करें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (लगभग **100** शब्दों में) लिखिएः

क) सामुदायिक संगठन के प्रति गांधीवादी दृष्टिकोण 4

ख) समुदाय में शक्ति की अवधारणा 4

ग) सहभागी ग्रामीण मूल्यांकन (पीआरए) 4

घ) सोसायटी और ट्रस्ट 4

ङ) POSDCORBEF 4

च) अभिजात्य सामाजिक कार्य मॉडल 4

छ) यूनिसेफ 4

ज) सशक्तिकरण 4

# एचआईवी/एड्स का परिचय
## सत्रीय कार्य

**पाठ्यक्रम कोड : बीएसडब्ल्यूई– 005**
**कुल अंक–100**

**नोट** : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **500** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के विभिन्न घटकों का वर्णन करें। 20

अथवा

गर्भवती माँ से उसके बच्चे में एचआईवी संक्रमण को रोकने के लिए रोकथाम रणनीतियों की व्याख्या करें। 20

2) एचआईवी/एड्स/एसटीडी के संचरण से संबंधित मिथकों और गलत धारणाओं पर चर्चा करें। 20

अथवा

असाध्य रूप से बीमार रोगियों के साथ देखभाल करने वाले की भूमिका की व्याख्या करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **250** शब्दों में) दीजिए:

क) एचआईवी/एड्स से पीड़ित व्यक्ति की मनोवैज्ञानिक चिंताओं पर चर्चा करें। 10

ख) प्रतिरक्षा प्रणाली की कार्यप्रणाली क्या है? उदाहरणों के साथ चर्चा करें। 10

ग) एचआईवी परामर्श में गोपनीयता क्यों महत्वपूर्ण है? उपयुक्त उदाहरणों के साथ औचित्य सिद्ध करें। 10

घ) एचआईवी/एड्स की किसी भी संवेदनशील आबादी के मुद्दों का संक्षेप में वर्णन करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **150** शब्दों में) दीजिए:

क) कुछ सामान्य एसटीडी, उनके संकेत और लक्षण का वर्णन करें। 5

ख) विंडो अवधि पर एक नोट लिखें। 5

ग) समुदाय के लिए एचआईवी/एड्स के निहितार्थों पर चर्चा करें। 5

घ) एचआईवी के लिए विभिन्न प्रकार के परीक्षण क्या हैं? 5

ङ) शोक परामर्श क्या है? 5

च) देखभाल की निरंतरता के विभिन्न घटकों को सूचीबद्ध करें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (लगभग **100** शब्दों में) लिखिए:

क) सूचित सहमति 4

ख) संकट परामशे 4

ग) विंडो अवधि 4

घ) उच्च जोखिम वाला व्यवहार्र 4

ङ) सहायक समूहे 4

च) पारिवारिक परामर्श 4

छ) सहानुभूति 4

ज) एआरटी 4

# मादक द्रव्य दुरुपयोग और परामर्श
## सत्रीय कार्य

**पाठ्यक्रम कोड : बीएसडब्ल्यूई– 006**
**कुल अंक–100**

**नोट :** i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **500** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) विवाह–पूर्व परामर्श की अवधारणा, इसके महत्व और प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा करें। 20

अथवा

शराब और नशीली दवाओं की लत के उपचार के विभिन्न तौर–तरीकों की व्याख्या करें। 20

2) एनडीपीएस अधिनियम, 1989 के मुख्य प्रावधानों का वर्णन करें। 20

अथवा

भारत में व्यक्ति और परिवार पर मादक द्रव्यों के सेवन के परिणामों की व्याख्या करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **250** शब्दों में) दीजिए:

क) व्यसनी की पहचान कैसे करें? व्याख्या करें। 10

ख) नशा पीड़ितों के पुनर्वास में गैर सरकारी संगठनों की भूमिका पर चर्चा करें। 10

ग) नशीली दवाओं और नशीली दवाओं के दुरुपयोग से संबंधित मिथकों की व्याख्या करें। 10

घ) कामुकता क्या है? संवेदनशील विषयों पर बात करने के लिए दिशा–निर्देशों की व्याख्या करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **150** शब्दों में) दीजिए:

क) परामर्श में शामिल प्रक्रिया का विस्तार से वर्णन करें। 5

ख) व्यसन के आर्थिक परिणामों को सूचीबद्ध करें। 5

ग) संचार की अवधारणा पर चर्चा करें। 5

घ) मादक द्रव्यों के सेवन और अपराध के बीच संबंध की व्याख्या करें। 5

ङ) नशीली दवाओं का सेवन प्रजनन स्वास्थ्य को कैसे प्रभावित करता है? 5

च) संचार में आने वाली बाधाओं का उल्लेख करें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (लगभग **100** शब्दों में) लिखिए:

क) मीडिया शिक्षा 4

ख) विषहरण 4

ग) मादक द्रव्यों की तस्करी 4

घ) रक्षा तंत्र 4

ङ) सह–निर्भरता 4

च) सहायक चिकित्सा 4

छ) समूह परामश 4

ज) स्थानांतरण 4